SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR

MULTIDISCIPLINARY COURSES FOR UNDER GRADUATE PROGRAMS

(SINGLE MAJOR / MULTIDISCIPLINARY PROGRAMS)

(Based on Curriculum and Credit Framework for UG Programs under NEP)

WITH EFFECT FROM THE SESSION 2024-25

Department of Hindi
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
ROHTAK (HARYANA)

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR MULTIDISCIPLINARY COURSES FOR UNDER GRADUATE PROGRAMS (SINGLE MAJOR / MULTIDISCPLINARY PROGRAMS)

Name of the Department	Nomenclature of Multidisciplinary Course (MDC) @ 3 credits	Course Code	Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
			L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks
											Internal	External	Internal	External	
	हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण – 1	23HNDX01MD01	3	0	0	3	**3**	**0**	**0**	**3**	25	50	00	00	75
	हिंदी : भाषा और इतिहास	23HNDX02MDO1	3	0	0	3	**3**	**0**	**0**	**3**	25	50	00	00	75
	लोक साहित्य	24HNDX03MD01	3	0	0	3	**3**	**0**	**0**	**3**	25	50	00	00	75

L: Lecture; T: Tutorial; P: Practical

Note:

A student has to opt for three Multidisciplinary Courses in first three semester from the pool of the courses offered in the disciplines other than those of Major disciplines and Minor disciplines and the one not studied at 10+2 or equivalent level.

Name of the Department/Centre/Institute ...Hindi .....

Name of the Multidisciplinary Course...हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण – 1

Offered in semester...1st.....

Course Code	23HNDX01MD01	**Course Credits**	3 Credits
Max. Marks	75 (External (term-end exam)-50 (Internal -25)	**Time of end term examination**	3 Hours

Note: Examiner will set nine questions in total. Answer to question no. I shall be compulsory comprising questions from all four units and remaining eight questions shall be set by taking two questions from each unit. The students have to attempt five questions in total, first being compulsory and selecting one from each unit.

Course Objectives:

1. हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान कराना।
2. रचना एवं प्रयोग में होने वाली अशुद्धियों से अवगत कराना।
3. विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायता करना।

Course Outcomes:

1. हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान की समझ विकसित होगी।
2 भाषायी दक्षता का विकास।

Unit – I

भाषा की परिभाषा और विशेषताएँ
व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध
हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएँ)
शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
शब्द–निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)
शब्दगत अशुद्धियाँ

Unit-II

शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
शब्द–निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)
शब्दगत अशुद्धियाँ

Unit-III

शब्द और पद में अंतर
विकारी शब्दों की रूप–रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
अविकारी शब्द (अव्यय)

Unit-IV

वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)

वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम चिह्न वाक्यगत अशुद्धियाँ
Suggested Readings: 1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा 2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी 3. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरू 4. मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. नरेश मिश्र 5. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Name of the Department/Centre/Institute ....Hindi.....
Name of the Multidisciplinary Course... हिंदी : भाषा और इतिहास
Offered in semester....2nd.....

Course Code	23HNDX02MDO1	**Course Credits**	3 Credits
Max. Marks	75 (External (term-end exam)-50 (Internal -25)	**Time of end term examination**	3 Hours

Note: Examiner will set nine questions in total. Answer to question no. I shall be compulsory comprising questions from all four units and remaining eight questions shall be set by taking two questions from each unit. The students have to attempt five questions in total, first being compulsory and selecting one from each unit.

Course Objectives:

1. हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
2. विशिष्ट कविताओं के अध्ययन विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Outcomes:

1. हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
2. विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

Unit – I

1. हिंदी भाषा और साहित्य
2. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
3. हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
5- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

Unit-II

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि. साखी गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34 :

(ख) तुलसी रामचरितमानस' गीताप्रेस गोरखपुर से 'केवट प्रसंग'

Unit-III

–मैथिलीशरण गुप्त – नर हो न निराश करो

– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर

–केदारनाथ अग्रवाल – धूप

Unit-IV

आधुनिक कविता

– सुभद्रा कुमारी चौहान – बालिका का परिचय

–निराला : तोड़ती पत्थर

Suggested Readings:

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास

2. हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक : हिंदी साहित्य का इतिहास

Name of the Department/Centre/Institute ....Hindi.....
Name of the Multidisciplinary Course. लोक साहित्य
Offered in semester..3rd...

Course Code	24HNDX03MD01	**Course Credits**	3 Credits
Max. Marks	75(External (term-end exam)-50 (Internal-25)	**Time of end term examination**	3 Hours

Note: Examiner will set nine questions in total. Answer to question no. I shall be compulsory comprising questions from all four units and remaining eight questions shall be set by taking two questions from each unit. The students have to attempt five questions in total, first being compulsory and selecting one from each unit.

Course Objectives:

1. विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभाव रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता, सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. विद्यार्थियों को समृद्ध करने में लोक साहित्यकारों की भूमिका का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. विद्यार्थी लोक साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

Course Outcomes:

1. लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी।
2. साहित्य और बोलियों की जानकारी प्राप्त होगी।
3. लोक साहित्य के अध्ययन विश्लेषण का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

Unit – I

1. लोक साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक संस्कृति : अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

2- जनपदीय बोलियों का महत्त्व और हरियाणवी बोली का उद्‌भव और विकास

Unit-II

1. लोक साहित्य के प्रमुख रूप : लोक गीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोकगाथा, लोकोक्ति।

2- लोक गीत, संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम परिहार गीत, ऋतुगीत ।

Unit-III

1. लोकनाट्य – रामलीला, स्वांग, यक्षगान, माच, तमाशा, नोटंकी।

2- लोककथा – व्रतकथा, परिकथा, नागकथा, बोधकथा कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय

Unit-IV

1. लोकगाथा – लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा की प्रस्तुति।

2. स्वांग गीता उपदेश – पं० जगन्नाथ रचनावली, संपा० डॉ० माया मलिक ।
3- लोकगीत– फागुण के गीत (2) संस्कार के गीत (2), ऋतुगीत (2), सद्भावना गीत (2) भजन

Suggested Readings:

1. हरियाणावी भाषा का उद्भव तथा विकास – डॉ० नानक चन्द शर्मा
2. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव
3. हिन्दी प्रदेश के लोकगीत –कृष्णदेव उपाध्याय
4. हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन – डॉ० पूर्णचंद शर्मा
5. पं० लख्मीचंद रचनावली – डॉ० पूर्णचंद शर्मा
6. पं० जगन्नाथ रचनावली, संपा० डॉ० माया मलिक
7. महाशय दयाचंद मायना हरियाणवी ग्रंथावली – डॉ० राजेन्द्र बड़गूजर